>

Title: Need to provide leave and enhance honorarium to the Anganwadi workers, Sahayika and ASHA workers in the country

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से इस सदन में नियम 377 के तहत, शून्य काल के तहत और आज भी वही विषय उठा रहा हूं, जो इस सदन में बारबार उठाया गया है। झारखंड राज्य में लगभग पचास हजार आंगनबाड़ी महिलाएं कार्यरत हैं। इतनी ही संख्या में सेविका-सहायिका भी हैं। इनकी संख्या लगभग 41 हजार है। वर्तमान में आंगनबाड़ी में जो कार्यकर्मी या सहकर्मी हैं, जहां भी सेवाएं देने की बात आती है वहां चाहे दिन में हो या रात में हो वे लोग उपस्थित रहती हैं। वर्तमान में न तो उनको सही ढंग से मजदूरी मिल रही है और न ही उन्हें अवकाश मिल रहा है। गर्मी के समय में जब स्कूल-कॉलेज में छुट्टी मिलती है यह भी उन लोगों को नहीं मिल रही है। वर्तमान में इनको भुगतान सही ढंग से नहीं किया जा रहा है।

भारत सरकार से हम मांग करते हैं कि आंगनबाड़ी महिलाएं, सहकर्मी, सहायिका और सेविकाओं को अवकाश के साथ–साथ सम्मानजनक मानदेय दिया जाए। इन्हीं सब बातों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।